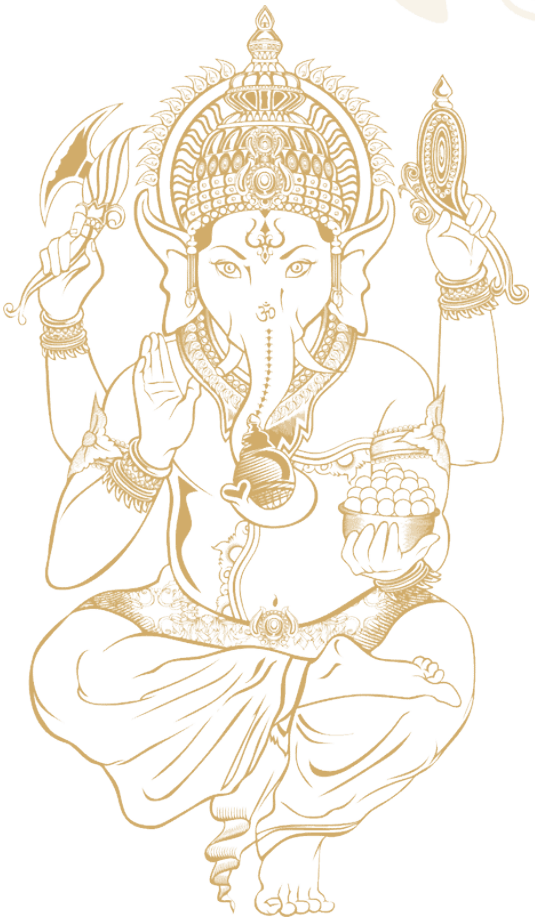

Mr.

30 Mar 2026

10:41 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121753405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:41:00 घंटे**
इष्ट	11:07:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:19:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:30 घंटे
साम्पातिक काल	22:50:18 घंटे
सूर्योदय	06:13:59 घंटे
सूर्यास्त	18:37:47 घंटे
दिनमान	12:23:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:17:21 मीन
लग्न के अंश	02:20:01 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:20:01	336:30:21	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			मीन	15:17:21	00:59:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	11:04:42	13:10:24	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	27:29:47	00:46:59	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	18:03:13	00:44:36	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मिथु	21:26:38	00:03:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	05:13:08	01:13:56	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:06:01	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:34:09	00:00:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:34:09	00:00:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:27:32	00:02:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:54:42	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:57:40	00:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	16:53:37	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

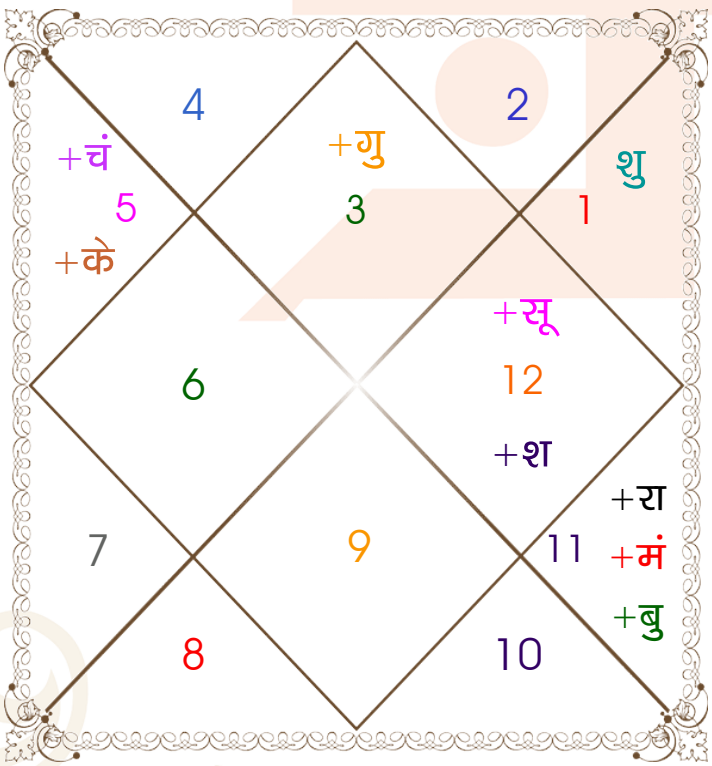

चन्द्र कुंडली

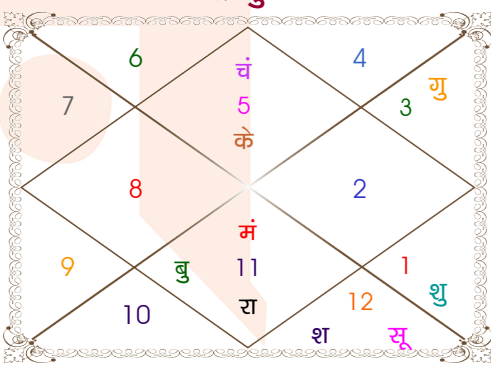

नवमांश कुंडली

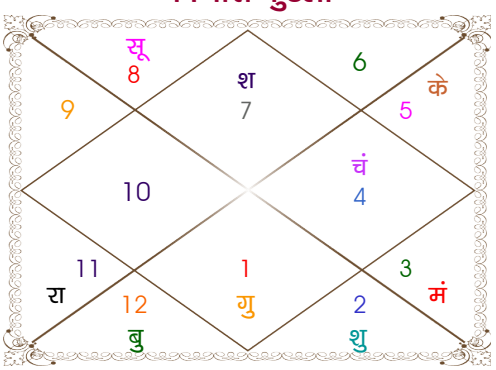

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 2 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/03/2026		05/06/2027		05/06/2047		05/06/2053		05/06/2063	
05/06/2027		05/06/2047		05/06/2053		05/06/2063		05/06/2070	
	00/00/0000	शुक्र	05/10/2030	सूर्य	23/09/2047	चंद्र	05/04/2054	मंगल	01/11/2063
	00/00/0000	सूर्य	05/10/2031	चंद्र	24/03/2048	मंगल	04/11/2054	राहु	19/11/2064
	00/00/0000	चंद्र	05/06/2033	मंगल	29/07/2048	राहु	05/05/2056	गुरु	26/10/2065
	00/00/0000	मंगल	05/08/2034	राहु	23/06/2049	गुरु	04/09/2057	शनि	05/12/2066
	00/00/0000	राहु	05/08/2037	गुरु	11/04/2050	शनि	05/04/2059	बुध	02/12/2067
	00/00/0000	गुरु	05/04/2040	शनि	24/03/2051	बुध	04/09/2060	केतु	29/04/2068
	30/03/2026	शनि	05/06/2043	बुध	29/01/2052	केतु	05/04/2061	शुक्र	29/06/2069
शनि	08/06/2026	बुध	05/04/2046	केतु	05/06/2052	शुक्र	05/12/2062	सूर्य	04/11/2069
बुध	05/06/2027	केतु	05/06/2047	शुक्र	05/06/2053	सूर्य	05/06/2063	चंद्र	05/06/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/06/2070		05/06/2088		06/06/2104		06/06/2123		06/06/2140	
05/06/2088		06/06/2104		06/06/2123		06/06/2140		00/00/0000	
राहु	15/02/2073	गुरु	24/07/2090	शनि	09/06/2107	बुध	02/11/2125	केतु	02/11/2140
गुरु	12/07/2075	शनि	03/02/2093	बुध	17/02/2110	केतु	30/10/2126	शुक्र	02/01/2142
शनि	18/05/2078	बुध	12/05/2095	केतु	28/03/2111	शुक्र	30/08/2129	सूर्य	10/05/2142
बुध	04/12/2080	केतु	17/04/2096	शुक्र	28/05/2114	सूर्य	07/07/2130	चंद्र	09/12/2142
केतु	23/12/2081	शुक्र	17/12/2098	सूर्य	10/05/2115	चंद्र	06/12/2131	मंगल	07/05/2143
शुक्र	22/12/2084	सूर्य	05/10/2099	चंद्र	08/12/2116	मंगल	02/12/2132	राहु	24/05/2144
सूर्य	16/11/2085	चंद्र	04/02/2101	मंगल	17/01/2118	राहु	22/06/2135	गुरु	30/04/2145
चंद्र	18/05/2087	मंगल	11/01/2102	राहु	23/11/2120	गुरु	26/09/2137	शनि	31/03/2146
मंगल	05/06/2088	राहु	06/06/2104	गुरु	06/06/2123	शनि	06/06/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।